GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 24 कबीर के दोहे

Std 9 GSEB Hindi Solutions कबीर के दोहे Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. मृग कस्तूरी को कहाँ ढूँढ़ता है?

उत्तर :

मृग कस्तूरी को वन में इधर-उधर इदता है।

प्रश्न 2. हमारा जन्म कृतार्थ करने के लिए किसकी सेवा करनी चाहिए?

उत्तर :

हमारा जन्म कृतार्थ करने के लिए हमें संतों की सेवा करनी चाहिए।

प्रश्न 3. भवसागर तरने के लिए कौन-कौन से पाँच तत्त्व हैं? ।

उत्तर :

भवसागर तैरने के लिए ये पाँच तत्त्व हैं - साधु का मिलना (सत्संग), हरिभजन, दया की भावना, नम्रता और परोपकार।

2. निम्नलिखित भावार्थवाले दोहे ढूँढ़कर उनका गान कीजिए :

प्रश्न 1. परमात्मा घट-घट में व्याप्त है, फिर भी हम देख नहीं पाते हैं।

उत्तर :

कस्तूरी कुंडली बसै, मग ढूँढे वन माहि।
ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखे नाहि ।।

प्रश्न 2. हमें जो कुछ मिला है, वह ईश्वर का ही है और वह ईश्वर को सौंपने से अपना कुछ नहीं रहता है।

उत्तर :

मेरा मुझमें कछु नहीं, जो कछु हय सो तेरा।
तेरा तुझको सौंपते, क्या लगेगा मेरा।।

प्रश्न 3. अप्रामाणिक रूप से संपत्ति इकट्ठी करके उसमें से दान करने पर स्वर्गप्राप्ति नहीं हो सकती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर :
एहरन की चोरी करे, करे सुई का दान।
ऊँचे चढ़कर देखते, कैतिक दूर विमान।।

प्रश्न 4. दूसरों की संपत्ति देखकर दुःखी होने के बजाय ईश्वर ने हमें जो कुछ दिया है उसमें संतोष रखना चाहिए।
उत्तर :
रूखा-सूखा खाई कै, ठंडा पानी पीव।
देखि पराई चूपड़ी, मत ललचावै जीव।।

3. निम्नलिखित दोहों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1.
संत मिले सुख उपजे, दुष्ट मिले दुःख होय।
सेवा किजे संत की, तो जनम् कृतार्थ सोय ॥
उत्तर :
संत के मिलने पर सुख का अनुभव होता है और दुष्ट के मिलने पर मन दुःखी हो जाता है। इसलिए संत की सेवा कीजिए। उससे तुम्हारा जन्म सफल होगा। (वहाँ कबीर ने संत और दुष्ट का अंतर बताते हुए संत-सेवा की महिमा बताई है।)

प्रश्न 2.
सोना सज्जन साधु जन, टूटि जुरै सौ बार ।
दुर्जन कुंभ कुम्हार के, एकै धका दरार ॥
उत्तर :
सोना, सज्जन और साधु लोग रुठने पर भी बार-बार जुड़ते रहते हैं। सज्जन अच्छे लोगों से संबंध बनाकर उसे कायम रखते हैं। जबकि दुर्जन लोगों का व्यवहार इससे उलटा है। जैसे जरा-सी दरारवाले मटके को थोड़ा धक्का मारने पर फूट जाता है, ठीक उसी तरह दुर्जन व्यक्ति टूटते हुए संबंध को पूरी तरह तोड़ देने में संकोच नहीं करते। (यहाँ कबीर ने सजन और दुर्जन के स्वभाव का अंतर बताया है। सज्जन जोड़ने और दुर्जन तोड़ने की बुद्धि रखता है।)

प्रश्न 3.
काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई चुनाय।
ता चढि मुल्ला बाँग दै, क्या बहिरा हुआ खुदाय ॥
उत्तर :
कंकड़-पत्थर जोड़कर मस्जिद बनाई और उस पर चढ़कर मुल्ला बौग देने लगा (जोर से खुदा को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पुकारने लगा)। कबीर पूछते हैं कि खुदा क्या बहरा हो गया है जो उसे इस तरह जोर से पुकारने की जरूरत पड़ती है। (कबीर के अनुसार भगवान हृदय में है। उसका स्मरण मन में करना चाहिए। आडंबर से दूर रहना चाहिए।)

प्रश्न 4.

दुःख में सुमिरन सब करें, सुख में करे न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे, तो दुःख काहे को होय॥

उत्तर :

दुःख में सब लोग भगवान को याद करते हैं, सुख में उसे कोई याद नहीं करता। यदि सुख में भगवान को याद किया जाए तो दुःख आए ही क्यों? (कबीर कहना चाहते हैं कि चाहे दुःख हो या सुख, भगवान का हमेशा स्मरण करना चाहिए।)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in